पाठ 2
व्यवहार-कुशलता

एक साहित्यिक सभा में एक तरुण विद्यार्थी भाषण देने के लिए खड़ा हुआ,पर उसका भाषण जमा नहीं-वह घबरा गया। श्रोताओं ने तालियाँ पीटीं,दस-पाँच वाक्य कहने के बाद ही उसे बैठ जाना पड़ा। मंच पर उसकी कुर्सी हमारी कुर्सी के पास ही थी क्योंकि हमें भी उस सभा में बोलने का निमंत्रण था। अपना पसीना पोंछते हुए उसने मुझसे धीरे से कहा -

"यह मेरा भाषण देने का पहला ही मौका था।"

शिक्षण संकेत

• बच्चों में स्नेहपूर्ण व्यवहार, शिष्टाचार,सहानुभूति और आत्म विश्वास को जाग्रत करने हेतु कोई प्रेरक-प्रसंग सुनाएँ। • 'व्यवहार कुशलता' की आवश्यकता और महत्व पर चर्चा करें। • पाठ में आए कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण कराएँ और उनका अर्थ स्पष्ट करें। • पाठ में दिए गए व्याकरण को उदाहरणों से स्पष्ट करें।

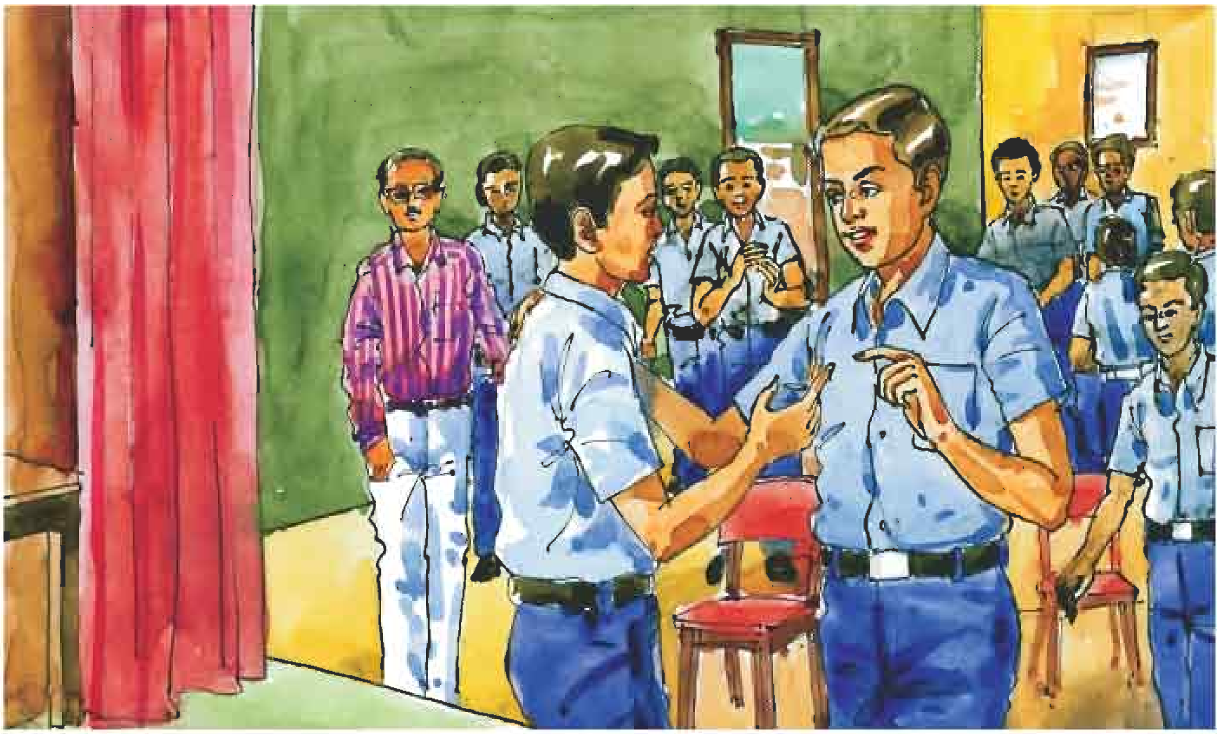

''ऐसा ! तब तो तुमने बड़ी हिम्मत दिखाई । मैं तो अपने पहले भाषण में मुश्किल से तीन वाक्य भी ठीक से नहीं बोल पाया था। शुरू–शुरू में तो ऐसा होता ही है, पर बाद में आदत होने से यह सब दूर हो जाता है ।''

''सच !'' वह उत्साह से बोल उठा। उसकी परेशानी कुछ कम हुई ।

''बिलकुल'', मैंने कहा। जिन्होंने तालियाँ पीटीं उनमें से ऐसे कितने होंगे जो तुम्हारे जैसे यहाँ खड़े होकर इतने बड़े श्रोता–समुदाय का सामना कर सकेंगे?

वह आश्वस्त हो गया। उसकी हिम्मत लौट आई और आगे चलकर वह काफी अच्छा वक्ता हो गया। दो–तीन बार उसने मुझे धन्यवाद दिया और कहा कि यदि उस दिन आप मुझे प्रोत्साहन नहीं देते तो शायद मैं भाषण देना ही छोड़ देता।

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों, या शोक–ग्रस्त हों तभी उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की जरूरत होती है। उस समय उनका आत्म–विश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए,उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते हैं वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं।

दूसरों के सुख–दु:खों में सच्चे अन्त: करण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहार कुशलता भी है जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है। हाँ,इसमें दिखावा,बनावटीपन ओर ऊपरी–ऊपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए। जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वही हृदय को बाँध भी सकती है।

मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं–एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की कद्र करें, हमें दाद दें और हमारा आदर करें और दूसरे वे हम पर प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें, उनके जीवन में हम कुछ महत्व रखते हैं–ऐसा अनुभव करें।

आपके जरा–से भी कार्य की यदि किसी ने सच्चे दिल से प्रशंसा की तो आपका दिल कैसा खिल उठता है? कोई आपकी सलाह माँगने आता है तो आपका मन कैसे फूल जाता है?

ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी–आपकी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा है। यदि आप उसे, प्रमाणिकतापूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक–ठीक समझना, उनकी कद्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना यही व्यवहार कुशलता है। इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाजे खोलने की कुंजी हाथ लगती है। इससे हमारी अपनी सुख–शान्ति बढ़ती है, सो अलग।

▸ अनंतगोपाल शेवड़े

नए शब्द

तरुण = नवयुवक। **श्रोता** = सुनने वाला। **आश्वस्त** = जिसे भरोसा दिलाया गया हो। **प्रोत्साहन** = उत्साह बढ़ाना। **त्रस्त** = भयभीत,पीड़ित। **शोकग्रस्त** = अपने आप पर भरोसा। **आत्मविश्वास** = अपने आप पर विश्वास। **लोकप्रियता** = लोगों में प्रिय होना। **परिधि** = सीमा। **अन्त:करण** = हृदय। **लक्षण** = विशेषता। **शिष्टाचार** = सभ्य व्यवहार। **मूल प्रवृत्तियाँ** = जन्मजात गुण। **दाद** = प्रशंसा। **आत्मतुष्ट** = अपने आप में संतुष्ट होना। **कद्र** = इज्जत। **विस्तृत** = फैला हुआ। **खिल्ली उड़ाना** = हँसी उड़ाना।

अनुभव विस्तार

1. निबंध से खोजिए-

(क) सही जोड़ियाँ बनाइए-

वक्ता – सीमा
लक्षण – हृदय
परिधि – विशेषताएँ
अंत:करण – बोलने वाला

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. यह मेरा भाषण का .... मौका था।
2. उसके प्रोत्साहन ने तरुण विद्यार्थी को अच्छा .... बना दिया।
3. एक .... सभा में तरुण विद्यार्थी भाषण देने के लिए खड़ा हुआ था।
4. जो भावना सच्ची होती है वह .... से निकलती है।

2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न :

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

1. सभा में भाषण देने के लिए कौन खड़ा हुआ था?
2. लेखक के अनुसार मनुष्य की मूल प्रवृत्तियाँ कितनी होती हैं?
3. अच्छे संस्कार का कोई एक लक्षण लिखिए।
4. विद्यार्थी के भाषण पर श्रोताओं ने तालियाँ क्यों पीटीं?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में दीजिए -

1. लोगों को प्रोत्साहन की सबसे अधिक आवश्यकता कब पड़ती है?
2. ' व्यवहार कुशलता' के क्या लक्षण हैं?
3. लेखक द्वारा प्रोत्साहन देने का विद्यार्थी पर क्या प्रभाव पड़ा?
4. किसी व्यक्ति के हृदय को जीतने के लिए हमें किस तरह का व्यवहार करना चाहिए?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए-

साहित्यिक, श्रोताओं, मुश्किल,सहानुभूति, आत्मविश्वास, लोकप्रियता, परिधि, आत्मतुष्ट, प्रोत्साहन, विस्तृत।

2. निम्नलिखित गद्यांश में रेखाकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए –

एक साहित्यिक सभा में एक तरुण विद्यार्थी भाषण देने के लिए खड़ा हुआ, पर उसका भाषण जमा नहीं वह घबरा गया। श्रोताओं ने तालियाँ पीटीं, दस–पाँच वाक्य कहने के बाद ही उसे बैठ जाना पड़ा।

➤ उपर्युक्त गद्यांश में रेखांकित शब्दों अथवा शब्द समूहों से भाषण देने, खड़े होने, घबरा जाने, तालियाँ पीटनें और बैठ जाने आदि के काम का करना या होना पाया जाता है।

जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाता है उसे क्रिया कहते हैं।

उदाहरण :

(क) यदि हम बिना क्रिया की सहायता से वाक्य बनाएँगे तो वे इस प्रकार बनेंगे।

- मोहन फुटबाल ....।
- गाय घास ....।
- वह विद्यालय ....।
- सोनू पतंग ....।

ऊपर के वाक्यों को देखो। इनमें क्रिया के न होने से बात अधूरी रह जाती है। यदि हम इसके साथ क्रिया का प्रयोग करते हैं तो वाक्य इस प्रकार बनेंगे–

- मोहन फुटबाल खेलता है।
- गाय घास खाती है।
- वह विद्यालय जाता है।
- सोनू पतंग उड़ाता है।

प्रश्न – निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए। और समझिए कि इनमें क्या अंतर है?

1. गाय रंभाती है।
2. राम पुस्तक पढ़ता है।

पहले वाक्य पर ध्यान दीजिए। इस वाक्य में 'रंभाना' क्रिया है किन्तु इनका कोई काम या कर्म नहीं है। (कर्म का अभाव) जबकि दूसरे वाक्य में पता चल रहा है। 'पढ़ना' क्रिया 'पुस्तक' की है।

जब क्रिया का कोई कर्म नहीं होता तब उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जिस क्रिया से कर्म का बोध होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

सकर्मक और अकर्मक क्रिया में अंतर- सकर्मक क्रिया में जब हम कोई प्रश्न करते हैं तो उसका उत्तर मिल जाता है जबकि अकर्मक क्रिया में उत्तर नहीं मिलता। जैसे. राम क्या पढ़ता है? इस प्रश्न का उत्तर होगा 'पुस्तक'

प्रश्न- निम्नलिखित वाक्यों को अकर्मक क्रिया तथा सकर्मक क्रिया के आधार पर अलग-अलग लिखिए-

1. सीता गाना गाती है।
2. रमेश सड़क पर दौड़ रहा है।
3. चिड़िया उड़ती है।
4. गाय का दूध मीठा होता है।

अब करने की बारी

1. शालाओं में आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बाल सभाओं में वाद विवाद, भाषण प्रतियोगिता में सहभागिता कीजिए।
2. आपके साथ यदि कोई ऐसी घटना घटित हुई हो जब आप निराश हो गए हों और किसी की सहानुभुति पाकर आपमें पुनः आत्म विश्वास आ गया हो तो इसकी चर्चा अपने साथियों से कीजिए।

———— 0 ————